ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार

घर पर कचरे का प्रबंधन

घरों के आसपास कचरा और गंदा पानी संक्रमण फैलाता है और बीमारी का कारण बन सकता है। इसलिए घर में कचरे की उचित प्रबंधन और निस्तारण बहुत महत्वपूर्ण है।

घर पर कचरे का प्रबंधन कैसे करें?

- कूड़ेदान रखें और कूड़े को कूड़ेदान में ही फेंके।
- गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें।
- यदि संभव हो तो कचरे का पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करें। कम्पोस्टिंग कचरे को रीसायकल करने का एक अच्छा तरीका है।

- कचरे का निपटान सावधानी से करें।
  - या तो एक साझा कचरा निपटान क्षेत्र में फेंक दें
  - या कूड़ा उठाने वालों को दें।

गीला कचरा- पका हुआ और कच्चा खाना, फलों का कचरा, सब्जियों के छिलके और इसी तरह की अन्य चीजें।

सूखा कचरा- कपड़े के टुकड़े, कांच, चमड़ा, धातु, कागज, प्लास्टिक, रबर, तार और संबंधित चीजें आदि।

अपशिष्ट जल का प्रबंधन कैसे करें?

- घरेलू स्तर पर अपशिष्ट जल को पर्याप्त रूप से चैनलाइज़ किया जाना चाहिए और/या सोख गड्ढों में भेजा जाना चाहिए

अपशिष्ट जल के निपटान के तीन तरीके

घर के अपशिष्ट जल को फिर से इस्तेमाल के लिए किचन गार्डन की ओर दिशा देकर नाली बनाएं

अन्य गंदे पानी के लिए घर में ही सोक पिट बनाएं

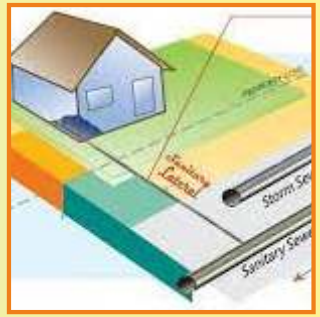

घरेलू जल निकासी नाली को मुख्य समुदाय/ग्राम नाली से जोड़ें

जितना हो सके कचरे का कम उत्पादन, उसका पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करना महत्वपूर्ण है।

For more information, contact Self Help Group member of your area.